चीनी की खरीदारी कर कमाएं मीठा मुनाफा

एनसीडीईएक्स पर जून महीने के वायदा अनुबंध में पिछले दस दिनों में चीनी की कीमतों में 4.3% की तेजी आई है

आर एस राणा ◆ नई दिल्ली

चालू पेराई सीजन वर्ष 2012-13 (अक्टूबर से सितंबर) में गन्ने की पेराई अब लगभग बंद हो गई है जबकि गर्मी ज्यादा होने से चीनी में बड़े उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने की संभावना है। इसलिए चीनी की मौजूदा कीमतों में 100 से 150 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी आने की संभावना है। ऐसे में वायदा बाजार में निवेशक चीनी में खरीद करके मुनाफा कमा सकते हैं।

एनसीडीईएक्स पर जून महीने के वायदा अनुबंध में पिछले दस दिनों में चीनी की कीमतों में 4.3 फीसदी की तेजी आई है। जून महीने के वायदा अनुबंध में चीनी का दाम 7 मई को 2,956 रुपये प्रति क्विंटल था जबकि शुक्रवार को भाव बढ़कर 3,086 रुपये प्रति क्विंटल हो गया था। इंडियाबुल्स कमोडिटी लिमिटेड के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी) बद्दरूदीन ने बताया कि चीनी के दाम न्यूनतम स्तर पर आ गए है जबकि गर्मी बढ़ने से बड़े उपभोक्ताओं की मांग पहले की तुलना में बढ़ी है। ऐसे में वायदा बाजार में निवेशक मौजूदा कीमतों में खरीदारी करके मुनाफा कमा सकते हैं।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के अनुसार चालू पेराई सीजन में 30 अप्रैल तक 245.2 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है। हालांकि गन्ने की पेराई अब लगभग बंद हो चुकी है लेकिन उत्तर प्रदेश में एक-दो मिलों में अभी पेराई चल रही है। ऐसे में चालू पेराई सीजन में चीनी का उत्पादन पहले के अनुमान 246 लाख टन के लगभग बराबर ही होने का अनुमान है। पिछले पेराई सीजन में 263 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। देश में चीनी की सालाना खपत करीब 225 लाख टन की होती है। कमोडिटी विश्लेषक अभय लाखवान ने बताया कि सरकार ने हाल ही में चीनी उद्योग को विनियंत्रण मुक्त करते हुए खुले बाजार में चीनी बेचने की आजादी मिलों को दी है, साथ ही चीनी मिलों से लेवी की बाध्यता भी समाप्त कर दी है। अभी तक गन्ना भुगतान करने के कारण मिलों पर चीनी बेचने का दबाव था लेकिन अब गन्ने की पेराई लगभग समाप्त हो गई है। इसलिए मिलों पर दबाव कुछ कम होगा, तथा चीनी मिलें नीचे भाव पर बिकवाली नहीं करेंगी। वैसे भी गर्मी का सीजन होने के कारण बड़ी खपत कंपनियों की मांग बढ़ रही है। इसलिए चीनी की मौजूदा कीमतों में 100 से 150 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी आने की संभावना है। मालूम हो कि चीनी की कुल खपत में बड़े उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी 60 से 65 फीसदी है।

एसएनबी इंटरप्राइजेज के प्रबंधक सुधीर भालोठिया ने बताया कि चीनी मिलों पर गन्ने के भुगतान का दबाव बना हुआ था जिसकी वजह से चीनी के दाम घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गए हैं। दिल्ली में चीनी के थोक दाम घटकर 3,250 से 3,300 रुपये और उत्तर प्रदेश में एक्स-फैक्ट्री भाव घटकर 3,100 से 3,150 रुपये प्रति क्विंटल रह गए हैं। महाराष्ट्र में चीनी के दाम घटकर 2,800 से 2,650 रुपये प्रति क्विंटल (टैक्स अलग) रह गए हैं। इन भावों में चीनी पर मिलों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसलिए नीचे भाव में चीनी मिलों की बिकवाली कमजोर है जिससे मौजूदा कीमतों में 100 से 150 रुपये प्रति क्विंटल का सुधार आने की संभावना है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्हाइट चीनी का दाम 505-510 डॉलर प्रति टन चल रहा है ऐसे में आयात में भी पड़ते नहीं लग रहे हैं।

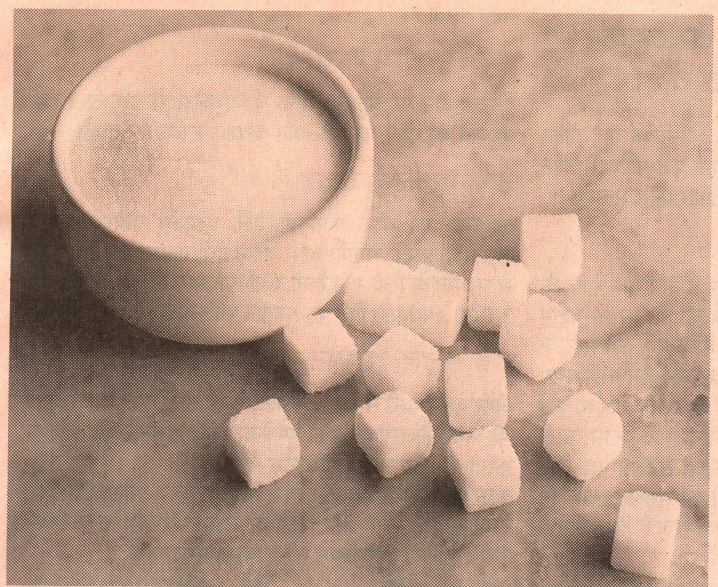

Business Bhaskar
18/5/13